शब्द–ब्रह्म
E ISSN 2320 – 0871
भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका
17 जुलाई 2016
पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

मनावर विधानसभा निर्वाचन 2013 का विश्लेषणात्मक अध्ययन

शोभाराम सोलंकी (शोधार्थी)
राजनीति विज्ञान
डॉ.लोकेश अग्रवाल (निर्देशक)
श्री अटल बिहारी वाजपेयी शास. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
इन्दौर, मध्यप्रदेश, भारत

भूमिका

प्राचीन काल में राज्य संस्था नहीं थी। लोगों का संघर्ष टालने के लिए मनुष्य को राज्य संस्था की जरूरत महसूस हुई। इसलिए राज्य संस्था अस्तित्व में आयी । आजादी के बाद भारत ने संसदीय लोकतंत्र को अपनाया । इसकी शक्ति कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका में निहित है। देश के सभी वयस्क नागरिकों को मताधिकार दिया गया। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ है। लोकतंत्र में निष्पक्ष चुनाव से पूरा ढांचा खडा रहता है। प्रस्तुत शोध पत्र में मध्यप्रदेश के मनावर विधान सभा क्षेत्र में मतदाताओं में परिवर्तन का अध्ययन किया गया है

प्रस्तावना

लोकतंत्र की सफलता और उसका भविष्य निर्वाचन व्यवस्था की कुषलता तथा निष्पक्षता पर निर्भर करता है। इस संबंध में निर्वाचन तंत्र का विषेष महत्व है। भारतीय संविधान सभा में निर्वाचन तंत्र के महत्व पर प्रका श डालते हुए पंडित हृदयनाथ ने कहा था, "अगर निर्वाचन क्षेत्र दोषपूर्ण है या कु शल नहीं है या गैरईमानदा र लोगों द्वारा संचालित होता है तो प्रजातंत्र उत्पत्ति के स्रोत पर ही विषमय हो जाएगा , जनता निर्वाचनों से यह सीखने के बदले कि अपने मत का प्रयोग किस प्रकार करें और उनका न्यायपूर्ण मतदान किस प्रकार संविधान में परिवर्तन और प्रशासन में सुधार ला सकता है, वह केवल यह जानने लगती है कि किस प्रकार षड्यंत्रों पर आधारित दलों का निर्माण किया जा सकता है और अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए किन गलत तरीकों को अपनाया जा सकता है।"1

मनावर विधानसभा का भौगोलिक क्षेत्र

मध्यप्रदेश के धार जिले की मनावर विधानसभा का क्षेत्रफल समुद्र सतह से 2070 मीटर ऊंचाई पर जिला मुख्यालय धार के दक्षिण में 72 किमी दूरी पर स्थित है। इस विधानसभा की सीमाएं उत्तर में गंधवानी विधानसभा उत्तर- पश्चिम में कुक्षी विधानसभा, पश्चिम में बिसरपुर एवं डही विकासखण्ड तथा पूर्व में धरमपुरी विधानसभा से जुड़ी हुई है , जबकि दक्षिण में पुण्य सलीला मां नर्मदा बड़वानी जिले को मनावर विधानसभा से अलग करती है। इसका भौगोलिक क्षेत्रफल 1049 वर्ग किमी है। मनावर विधानसभा भूमध्य रेखा से उत्तरी अक्षां श में 22^0,42 से 75^0,32 पर स्थित है।"2

अध्ययन के उद्देश्य

1 निर्वाचन व्यवस्था में व्याप्त दोषों का अध्ययन करना।

शब्द–ब्रह्म
E ISSN 2320 – 0871
भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका 17 जुलाई 2016
पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

2 संवैधानिक प्रावधानों तथा न्यायिक निर्णयों के प्रकाष में निर्वाचन आयोग की कार्य प्रणाली और भूमिका का अध्ययन करना।

3 इस आधार पर निर्वाचन की स्वतंत्रता को जांचना-परखना।

4 मध्यप्रदे श विधानसभा निर्वाचन 2013 में मनावर विधानसभा में मतदाताओं की भागीदारी का अध्ययन करना।

5 मतदाताओं में निर्वाचन के प्रति भागीदारी की स्थिति और उनमें होने वाले परिवर्तन का अध्ययन करना।

6 निर्वाचन के समय मतदाताओं को कौन-कौन से तथ्य एवं कारक प्रभावित करते हैं।

7 आम निर्वाचन का तुलनात्मक अध्ययन करना।

मनावर विधानसभा की राजनैतिक पृष्ठभूमि

धार जिले की मनावर विधानसभा क्षेत्र की जनता ने आंदोलनों में बहत कम योगदान दिया है। मनावर विधानसभा क्षेत्र आदिवासी बहुल क्षेत्र है। यहां शिक्षा की कमी से आदिवासी काफी पिछड़े हुए हैं। 20वीं सदी के प्रारंभिक वर्षों में मनावर तथा इसके आसपास के शहरों में राजनीततिक चेतना दृष्टिगत होने लगी थी। इसका श्रेय खरगोन के श्री विश्वनाथ खोड़े , बड़वानी के बैजनाथ महोदय और काशीनाथ त्रिवेदी को जाता है।

इन्होंने अपने सहकार्यकर्ताओं के साथ मनावर विधानसभा के लोगों में दे शभक्ति एवं राष्ट्रीय भावनओं का संचार किया। यह उनके उत्साह तथा प्रयास का ही परिणाम था कि क्षेत्र में बहिष्कार आंदोलन पर्याप्त सफल हुआ। इनके द्वारा स्थापित ग्राम सेवा सदन इकाइयों ने ग्राम सुधार, खादी सेवा प्रचार इकाइयों तथा कृषि कल्याण संबंधी प्रमुख कार्य किए। स्वतंत्रता पूर्व राजनैतिक दृष्टिकोण से संपूर्ण मालावांचल और निमाड़ में स्थानीय स्व शासन के अंतर्गत ग्राम पंचायत एवं नगर पंचायत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करती थीं। आजादी के बाद लोकतंत्रात्मक पद्धति में मनावर ने भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह किया। यहाँ के महिला पुरुषों ने अपने मताधिकार का उपयोग कर अपने जनप्रतिनिधि का चुनाव किया। मनावर विधानसभा में महिला एवं पुरुष मतदाताओं की स्थिति निम्नानुसार है :

कुल मतदाता	**2008 =148031**	**2013 = 200732**
पुरुष	75042	101509
महिला	72989	98863
कुल योग	148031	200732

स्रोत: निर्वाचन कार्यालय मनावर से प्राप्त जानकारी के अनुसार

विधानसभा निर्वाचन 2013 का मनावर विधानसभा क्षेत्र में शोधार्थी द्वारा 200 मतदाताओं का साक्षात्कार लिया गया। जिसमें 100 महिला एवं 100 पुरुष मतदाता थे। इनकी उम्मीदवारों के प्रति अलग-अलग राय उभरकर सामने आई।

दलों का नाम	**भाजपा**	**कांग्रेस**	**अन्य दल**	**नोटा**	**योग**
महिला	44	33	19	4	100
पुरुष	40	48	10	2	100
कुल योग	84	81	29	6	200

स्रोत: साक्षात्कार के दौरान

विधानसभा निर्वाचन 2013 का मनावर विधानसभा क्षेत्र में साक्षात्कार के दौरान यह पता चला कि महिला मतदाताओं ने भाजपा का अधिक व कांग्रेस का कम समर्थन किया है। वहीं पुरुष मतदाताओं ने कांग्रेस का अधिक और भाजपा का कम समर्थन किया है। कुछ महिला एवं पुरुष मतदाताओं ने अन्य दल और नोटा का भ समर्थन किया है।

निष्कर्ष

अध्ययन क्षेत्र मनावर विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं का अपना एक अलग तजुर्बा निर्वाचन को लेकर है। मतदाताओं के व्यवहार में स्पष्ट परिवर्तन नजर आता है । कतिपय राजनीतिक क्षेत्रों में ऐसी भ्रामक धारणा है कि मनावर की जनता अपने मताधिकार का प्रयोग औचित्य या विवके से नहीं करती, क्योंकि वहां अशिक्षा, गरीबी, जातिगत द्वेष , धर्मांधता आदि की षिकार है। लेकिन प्रथम आम चुनाव से लेकर अब तक संपन्न समस्त चुनावों में प्रदेष की जनता का जो मतदान व्यवहार रहा है , उससे इसी तथ्य की पुष्टि होती है कि ये बातें भ्रामक हैं। कुछ अपवादों को छोड़कर मतदाताओं ने अनुशासन को प्रदर्शित किया है। मताधिकार के महत्व को समझा है। इससे भारत में लोकतंत्र के सुरक्षित भविष्य की जानकारी भी मिलती है।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1 भारतीय शासन एवं राजनीति , पुखराज जैन एवं राजेश जैन, एसबीडी पब्लिकेशन हाउस, आगरा, पृष्ठ 202

2 जिला सांख्यिकी पुस्तिका वर्ष 2007, पृष्ठ 3